दशलक्षण महापर्व आनंद पूर्वक संपन्न हुए

संजय जैन, मुंबई। श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर कल्याण, (महाराष्ट्र) में पर्युषण महापर्व बहुत ही आनंदमय तरीके से सम्पन्न हुए जिसमे कल्याण दिगंबर जैन समाज ने बहुत ही बढ चढ कर हिस्सा लिया। इंदौर से पधारे पंडित श्री पारस शास्त्री जी ने ज्ञान की गंगा बहाई, पूजा के साथ साथ सुबह तत्वार्थसूत्र पर प्रवचन बडी सरल भाषा में दिए और उसे हिंदी में अर्थपूर्वक समझाया। प्रतिदिन शाम को भजन, आरती के साथ दशलक्षण धर्म पर प्रवचन दिए जिसको सभी लोगों ने बहुत ही सराहा, उसके बाद पाठशाला के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए जिसका आनंद भी समस्त जैन समाज के लोगों ने उठाया। अंतिम दिन सुबह पूजा, अभिषेक और फिर दशलक्षण विधान हुआ एवं शाम को चार बजे पुनः श्रीजी का अभिषेक और पूजा आदि की गई। रात्रि में भजन संध्या का आयोजन रखा गया जिसमें समाजजनों ने बहुत ही बढ़ चढकर भाग लिया। भजन संध्या का संचालन श्री संजय जैन द्वारा किया गया। भजन गायक श्री सुनील जैन के साथी काका, पिंटू एवं विवेक सिंघई, विजय कसालीवाल, अभय जैन और लोकेन्द्र जैन जी ने बहुत ही सुमधुर भजन गाये। अंतिम दिन श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर के ट्रस्ट मंडल द्वारा पं. श्री पारसजी एवं श्री अंकितजी के साथ साथ उन सभी लोगों का अभिवादन और स्वागत किया गया, जिन्होंने पयूर्षण पर्व पर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा तपसाधना आदि की आराधना की। अंत में मंडल के अध्यक्ष श्री विजय कासालीवाल ने पंडित जी के साथ जैन समाज का आभार व्यक्त किया। साथ ही एक दूसरे से क्षमाचायना कर क्षमावाणी मनाई।

चातुर्मासी दोहे

- प्रदीप जैन
(टीवी फिल्म निर्माता)
दिल्ली

स्वाध्याय साधु करें औ दें श्रावक उपदेश,
चातुर्मास के स्थापन का यह भी काज विशेष।

चातुर्मास के चार माह में चतुर बढ़ायें ज्ञान,
धर्म नाम आंडबर रचते जड़ से जो अज्ञान।

स्व-पर से आसक्ति छूटे ये चातुर्मास सिखाये,
भीड़ भीड़ पर भीड़ जुटाना आसक्ति कहलाये।

बड़े बड़े नित आयोजन भी अपव्यय कहलायें,
चातुर्मास की शुद्ध भावना इसमें व्यय हो जायें।

ललितपुर का क्षमावाणी कार्यक्रम सम्पन्न

राकेश कुमार जैन (डब्ल्यू), ललितपुर। श्री दि.जैन गोलालारीय समाज का क्षमावाणी कार्यक्रम 25 सितम्बर को संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्री मुन्नालालजी एडवोकेट ने की, मुख्य अतिथियों के रुप में वरिष्ठ समाज श्रेष्ठी व समिति संरक्षकगण उपस्थित रहे सेठ प्रसन्न कुमार नौहरकलां ने भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण किया तथा दीप प्रज्जवलन अजय कुमार साइकिल ने किया। उपस्थित जन समूह ने वीर वंदना का पाठ किया। मंत्री श्री अनिल नरियल ने पिछली सभा की कार्यवाही को पढकर सुनाया, वर्ष 2015-16 में संस्था ने मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति तथा विधवा व असहाय महिलाओं को पेंशन हेतु दान राशि देने वाले दानदतारो का सम्मान किया। कई समाज श्रेष्ठीयों ने 2016-17 हेतु दान देने की घोषणा की गई। संस्था कोषाध्यक्ष कुलदीप नौहरकलां ने वर्ष 2015-16 का आय व्यय विवरण सभा के समक्ष रखा। सभा को संबोधित करते हुये सर्वश्री शीलचंद दिगौडा, रमेश राख, ज्ञानेन्द्र जैन, अरविंद जमादार, अशोक एसबीआई, अरविंद बरौदा, अजय साइकिल, डॉ. हुकुमचंद पवैया व प्राचार्य अजय जैन ने क्षमा के महत्व पर प्रकाश डालने के साथ संस्था का मार्गदर्शन भी किया। संस्था अध्यक्ष ने सभी संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों की ओर से क्षमा याचना की। अंत में कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र मोदी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये सभी महानुभावों से जलपान गृहण करने का निवेदन किया। कार्यक्रम का संचालन आडीटर राकेश (डब्लू) द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र मोदी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गुंदेरा, आडीटर अंकित एड., उपमंत्री धर्मेश्वर जमोरिया, कोषाध्यक्ष कुलदीप नौहरकलां, कार्यालय मंत्री कमल बडेरा, सदस्यगण मुकेश नौहरकलां, मनीषा राख, अभिषेक एडवोकेट, संजय पवैया, देवेन्द्र विरधा, सुनील कैलवारा, अभिषेक बिलौवा तथा हिमांशु देवरान के साथ काशीराम बिलौआ, सतेन्द्र छोटे साकेत चुनमुन सुरेन्द्र देवरान, राजेन्द्र कैलवारा, विजय देवरान, कमल नौहरकला, मनोज सिलगन, वरुण नयाखेडा, शैलेषजी, पिन्टू, गौरव देवरान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धर्मात्माओं का मिलन है मेला : आर्यिका विविक्त श्री

प्रवीण जैन, झांसी। सुप्राचीन जैन तीर्थ करगुवां जी का वार्षिक मेला एवं कलशाभिषेक समारोह महिला संत आर्यिका विविक्त श्री माताजी के ससंघ सानिध्य में विशाल जनसमूह के बीच उल्लास से सम्पन्न हुआ। आर्यिका मां ने खचाखच भरे पण्डाल में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में धर्म सबसे बडा मित्र है जो धर्मात्माओं में बसता है और जहां धर्मात्मा मिलते है तो मेला सहज है। साधुजन मिले तो संगति अवश्य करिए। क्योंकि उनके पास आत्मा उत्थान के सूत्र होते है जिन्हें पाकर इहलोक और परलोक दोनो सुखी हो सकते है। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप द्वारा विभिन्न स्टालो से सुसज्जित आनन्द मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. पीके. जैन ने किया। उन्होनें मेले में होने वाली आय को शिक्षा में लगाए जाने की प्रशंसा की।

विशिष्ट अतिथि पंचायत महामंत्री प्रवीण कुमार जैन उपाध्यक्ष रविन्द्र जैन, करगुवां मंत्री सुभाष जैन सि. ऋषभ जैन आदि का स्वागत सोशल ग्रुप के अध्यक्ष विनय जैन, आलोक जैन, अमीष जैन, अखिल जैन, डॉ. संदीप जैन, आशीष जैन आदि ने किया।

भगवान का कलशाभिषेक इंजी. आकाश जैन, डॉ. सागर जैन, इंजी. अरूण जैन, रवि जैन आदि ने किया 64 महिलाओं ने भगवान के समक्ष चँवर झुलाए। आर्यिका विशुव्रता, क्षुल्लिका सरलमति, क्षुल्लिका विक्रया मंचासीन रही।

सम्यक दर्शन, ज्ञान, चारित्र एवं पर्यूषण पर्व माल का सौभाग्य कैलाशचंद्र जैन, इंजी. के.सी. जैन, राजीव जैन अंहिसा, सुमत कुमार जैन सीए को प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर ध्वजारोहण पूर्व मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, इंजी. वीरेन्द्र जैन ने किया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री के मुख्य अतिथि में यूनाईटेड जैन लायर्स एसोसिएशन के निःशुल्क विधि परामर्श केन्द्र का उद्घाटन किया गया। एडवोकेट रजनी जैन, पवन जैन, आमोद जैन, शिरोमणि जैन, पंकज जैन, आदि उपस्थित रहे। वार्षिक मेला समारोह की अध्यक्षता प्रकाशचंद्र जैन एड. ने संचालन पंचायत महामंत्री प्रवीण कुमार जैन ने एवं आभार ज्ञापन करगुवां तीर्थ मंत्री सुभाष जैन ने किया। भारी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

दसलक्षण पर्व सानन्द सम्पन्न

राजेश जैन, झांसी। जैन महापर्व 6 सितम्बर से 15 सितम्बर तक उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन, ब्रह्मचर्य दसलक्षण धर्म के साथ सानन्द सम्पन्न हुए।

इन दस दिनो में झांसी शहर के समस्त 12 मंदिरों एवं करगुवांजी तीर्थ एवं करुणा स्थली पर नित्य अभिषेक संगीतमय पूजन विधान के अलावा रात्रि में आरती के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

दिगम्बर जैन पंचायती बडा मंदिरजी में सांगानेर से पधारे ब्र. भइया श्री प्रशान्त कुमार जैन एवं झांसी शहर में चातुर्मास कर रही आचार्य विरागसागर महाराजजी की सुयोग्य शिष्या 105 आर्यिका विविक्त श्री माताजी (संसघ) के द्वारा दस दिनों तक ज्ञान एवं धर्म संस्कार की गंगा बहती रही। 17 सितम्बर विश्व मैत्री क्षमा दिवस (वाणी) समारोह दीनदयाल सभागार में सर्वधर्म एकता के संदेश के साथ मनाया गया।

इस पावन पर्व पर आर्यिका विविक्त श्री माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि अपकार का बदला उपकार से, क्रोध का बदला क्षमा से दो। यदि कोई इतना साहस कर सके तो उसके हृदय में आनन्द का झरना स्वयं ही बह उठेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डी.आई.जी. शरद सचान ने कहा कि अपराधी से बदला लेने की भावना से समस्या बढती है। जरुरी यह है कि उसे अपराध मुक्त जीवन की शिक्षा मिल सके। उन्होंने क्षमाधर्म को भारतीय संस्कृति व सभी धर्मों का मूल तत्व बताया। महापौर किरण शर्मा, सर्वधर्म सदभाव समिति के अध्यक्ष कैलाशचंद जैन, नरोत्तम स्वामी एड. डॉ. फादर सदानन्द, गुरजीत सिंह चावला, हरगोविन्द कुशवाहा, जैन समाज के अध्यक्ष प्रकाशचंद जैन एडवोकेट, गोकुलचंद जैन एडवोकेट, शैलेन्द्र जैन, ललित जैन, डॉ. जिनेन्द जैन, डॉ. नीलम जैन ने क्षमा धर्म पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री प्रवीण कुमार जैन ने एवं आभार ऋषभ जैन ने व्यक्त किया।

''गोलालारीय दर्शन'' द्वारा हर वर्ष देश भर में फैले गोलालारीय समाज के मेधावी बच्चों को उनकी प्रतिभा के आधार पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है, इस वर्ष 9.10.16 रविवार को करुणा स्थली झांसी पर आयोजित एक कार्यक्रम में इस वर्ष के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया जायेगा।